

अधखिला वि. (तद्.+देश.) आधा खिला हुआ, अर्धविकसित।

अधखुला वि. (तद्.+देश.) आधा खुला हुआ।

अधगति स्त्री. (तद्.) दे. अधोगति।

अधघट वि. (तद्.+तत्.) 1. जो पूरा घटित न हुआ हो। आधा घटित। अधूरा। 2. अटापटा, जिसका ठीक अर्थ न निकले।

अधचना पुं. (तद्.) गेहूँ और चने की समान अनुपात में मिलावट।

अधचबा वि. (तद्.) आधा चबाया हुआ।

अधचर वि. (तत्.) 1. रेंगकर चलने वाला 2. नीचे नीचे चलने वाला।

अधचरा वि. (तद्.) आधा चरा, खाया हुआ।

अधजल वि. (तद्.+तत्.) पानी से केवल आधा भरा हुआ पात्र लोको. अधजल-गगरी छलकत जाए।

अधजला वि. (तद्.) आधा जला हुआ, जो पूर्ण रूप से भस्म न हुआ हो।

अधन वि. (तत्.) धनहीन, निर्धन, गरीब।

अधनियाँ वि. (तद्.) दे. अधन्ना।

अधन्ना पुं. (तद्.) आधा आना, पुराने दो पैसे का पीतल या तांबे का सिक्का, अधन्नी, अधनियाँ; 'आना' का आधा भाग।

अधन्नी स्त्री. (तद्.) दे. अधन्ना।

अधन्य वि. (तत्.) जो धन्य (अर्थात् धन संपत्ति युक्त) न हो, भाग्यहीन, अभागा, गर्हित, विद्य, बुरा।

अधपका वि. (तद्.) आधा पका हुआ, अपरिपक्व, जो पूरी तरह पका न हो।

अधपन्ना पुं. (तद्.) दे. प्रतिपर्ण।

अधबसा वि. (तद्.) जो पूरी तरह बसा हुआ न हो, आधा-बसा हुआ।

अधबुध वि. (तद्.) जिसका बोध केवल आधा हो, आधा-पढा-लिखा।

अधम वि. (तत्.) 1. नीच, बुरा, निकृष्ट 2. पापी, अति दुष्ट पुं. कर्तव्याकर्तव्य, विचार-रहित कामी व्यक्ति।

अधमई स्त्री. (देश.) अधमता, नीचता या अतिदुष्टता।

अधमता स्त्री. (तत्.) अधमपना, नीचता, दुष्टता।

अधमत्व पुं. (तत्.) अधमता, अधमता का भाव।

अधमरा वि. (तद्.) आधा मरा हुआ, अर्धमृत, मृतप्राय।

अधमर्ण पुं. (तत्.) (ऋण लेकर निम्न स्थिति में गया व्यक्ति) ऋणी, कर्जदार, उधार लेने वाला विलो. उत्तमर्ण।

अधमा स्त्री. (तत्.) 1. निर्लज्ज या लपट नायिका 2. नीच प्रकृति की नारी 3. कर्कशा स्त्री।

अधमांग पुं. (तत्.) शरीर के नीचे का भाग, जंघा, पैर। विलो. उत्तमांग।

अधमाई स्त्री. (तद्.) नीचता, दुष्टता।

अधमाधम वि. (तत्.) बुरे से बुरा, नीचतम।

अधमार्ध पुं. (तत्.) नाभि से नीचे का शरीर का भाग।

अधमुआ वि. (तद्.) दे. अधमरा।

अधमोद्धारक वि. (तत्.) पापियों का उद्धार करने वाला।

अधरंगा पुं. (हि.+तत्.) एक प्रकार का फूल।

अधर पुं. (तत्.) 1. निचला ओठ (अधरोष्ठ) 2. बिना आधार का स्थान, शून्य स्थान 3. धरती और आकाश के बीच का स्थान अंतरिक्ष 4. पाताल वि. 1. नीचा, निचला 2. नीचे का 3. जो पकड़ में न आए 4. नीच, बुरा, तुच्छ 5. आधार रहित 6. आधारित।

अधरक पुं. (तत्.) प्राणि. अधिकांश कशेरुकी प्राणियों के शरीर की अधर शाखा में मध्य में स्थित अस्थि-शृंखला। **अधरकाय** पुं. (तत्.) शरीर का निचला भाग।

अधरज पुं. (तत्.) 1. होठों की लालिमा, होठों की सुर्खी 2. पान का रंग जो होठों पर उभर आता है।